डीडवाना से ज्वेलर्स का अपहरण, अपहृत ज्वेलर्स को डूंगरगढ़ से छुड़ाया

पुलिस ने बदमाशों की कार को टक्कर मारी, हड़बड़ाहट में ज्वेलर्स कार छोड़कर फरार हो गए

डीडवाना, (निसं)। ग्राम सुदरासन से गत रात को बदमाशों ने एक ज्वेलर्स का अपहरण कर लिया, जिसे पुलिस ने मात्र सात घंटे में ही सकुशल बचा लिया। इसके लिए पुलिस ने आधी रात को अपहरणकर्ताओं का पीछा किया और डीडवाना सहित आसपास के जिलों में नाकाबंदी करवाई, आखिरकार बीकानेर जिले के डूंगरगढ़ में पुलिस ने बदमाशों को ट्रेस कर लिया, लेकिन पुलिस को देखकर बदमाश ज्वेलर्स को छोड़कर फरार हो गए।

जानकारी के अनुसार मौलासर थाना क्षेत्र के सुदरासन गांव निवासी रजत सोनी नामक ज्वेलर्स गत रात को आठ बजे अपनी दुकान बंद कर घर जा रहा था। इसी दौरान अचानक एक कार में तीन बदमाश आए और युवक को जबरन कार में डालकर अपहरण कर अपने साथ ले गए। कुछ लोगों ने इस घटना को देख लिया और तुरंत पुलिस को सूचना दी।

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस तुरंत हरकत में आई और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हिमांशु शर्मा, वृत्ताधिकारी धरम पूनिया तथा मौलासर थाना अधिकारी जितेंद्र सिंह मौके पर पहुंचे और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। साथ ही डीडवाना सहित आसपास के जिलों में तुरंत नाकाबंदी करवाई। इसके अलावा पीड़ित ज्वेलर्स और बदमाशों की मोबाइल लोकेशन भी ट्रेस करवाई गई। इसी दौरान बदमाशों ने पीड़ित के पिता को फोन कर 10 लाख रुपए की फिरौती मांगी।

पुलिस ने पीड़ित ज्वेलर्स रजत सोनी (बीच में) को बदमाशों के चंगुल से छुड़वाया।

- कार सवार पांच बदमाशों ने दस लाख रुपये की फिरौती के लिए ज्वेलर्स का अपहरण किया था
- पुलिस ने पीड़ित ज्वेलर्स और बदमाशों की मोबाइल लोकेशन ट्रेस करवाकर कार्रवाई की

इसी दौरान पुलिस को आरोपियों की लोकेशन बीकानेर जिले के डूंगरगढ़ के आस-पास मिली, जिस पर पुलिस ने तुरंत बदमाशों का पीछा किया साथ ही डूंगरगढ़ पुलिस को भी सूचित किया। इस दौरान डूंगरगढ़ पुलिस ने नाकाबंदी कर एक कार को रुकवाया। इस कार में अपहरणकर्ता और पीड़ित ज्वेलर्स मौजूद थे, लेकिन पुलिस को देखकर अपहरणकर्ताओं ने भागने की कोशिश की तो पुलिसकर्मियों ने अपहरणकर्ताओं की गाड़ी को टक्कर मारकर रुकवाने का प्रयास किया। इससे अपहरणकर्ताओं की कार के शीशे टूट गए वे हड़बड़ाहट में पीड़ित ज्वेलर्स और कार को छोड़कर मौके से फरार हो गए। इसके बाद पुलिस ने पीड़ित रजत सोनी को दस्तयाब कर लिया।

इस मामले में पुलिस की जांच में सामने आया है कि बदमाशों ने सोने-चांदी के आभूषणों की लूट के इरादे से ज्वेलर्स का अपहरण किया था। ज्वेलर्स का अपहरण करने वाले पांच आरोपी थे, जिनमें विजयपाल सिंह नामक आरोपी सुदरासन गांव का ही निवासी है, जबकि ओम, युवराज सिंह तथा दो अन्य बदमाश भी इस घटना में शामिल थे। अब पुलिस इन सभी बदमाशों को तलाशने में जुटी है।

हरियाणा पुलिस ने आरजिया गांव से सायबर ठग को पकड़ा

हरियाणा के बहादुरगढ़ निवासी युवक से ऑनलाइन टास्क के नाम पर करीब 21 लाख की ठगी हो गई थी

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के मांडल थाना क्षेत्र में हरियाणा पुलिस ने आरजिया गांव दबिश देकर 21 लाख रुपए के सायबर ठग को पकड़ा है। आरोपी मूलतः गुलाबपुरा थाना क्षेत्र के बड़ला गांव का ललित पुत्र सुरेश मेवाड़ा है। इससे पहले मांडल पुलिस ने भी निजी कंपनी के परिसर में घुसकर मारपीट करने, आगजनी, तोड़फोड़ के मामले में नामजद होने पर इसे गिरफ्तार कर चुकी है। हाल ही में मांडल थाना क्षेत्र में रह रहा था। आरोपी को पकड़ने के लिए हरियाणा पुलिस दो बार आ चुकी थी। मामले में कार्रवाई की जानकारी देने से मांडल थाना पुलिस भी बचती रही।

जानकारी के अनुसार हरियाणा के बहादुरगढ़ पालिका कॉलोनी निवासी जितेंद्र से ऑनलाइन टास्क के नाम पर करीब 21 लाख रुपए की ठगी हो गई थी। जितेंद्र प्राइवेट कंपनी में काम करता है। 3 अप्रैल 2023 को उसके व्हाट्सएप पर मैसेज आया कहा गया

आरोपी सायबर ठग।

कि यूट्यूब वीडियो को लाइक करने पर 50 मिलेंगे। प्रिपेयर टास्क पर अलग-अलग कमीशन मिलेगा। इसके बाद से टेलीग्राम लिंक भेजी। जितेंद्र को अलग-अलग बैंक खाते से पैसे ट्रांसफर करने को कहा। जितेंद्र ने सभी पैसे अपने इनसाइड बैंक से भेज दिए। सायबर पोर्टल पर शिकायत दर्ज कर पुलिस ने

- आरोपी को पकड़ने के लिए हरियाणा पुलिस दो बार आ चुकी थी, लेकिन वह हर बार फरार हो जाता था

मामला दर्ज कर जांच के बाद आरोपी ललित मेवाड़ा को गिरफ्तार किया। हरियाणा पुलिस ने सायबर ठग ललित मेवाड़ा को मांडल थाना पुलिस की मदद से पकड़ा।

हरियाणा पुलिस ने थाने में नियम अनुसार आमद भी कराई। इसके बावजूद स्थानीय थाना पुलिस जानकारी देने को टालते रहे। आरोपी को पकड़ने के लिए पहले दो बार हरियाणा पुलिस आ चुकी है। पुलिस के आने की भनक लगते ही आरोपी हर बार फरार हो जाता था। वहीं आरोपी ललित मेवाड़ा के कई फोटो सोशल मीडिया पर बड़े-बड़े नेताओं एवं उनके रिश्तेदारों के साथ हैं।

खाली प्लॉट में भरे पानी में डूबने से बालक की मौत

प्लॉट में करीब 20 फीट की गहराई तक पानी भरा हुआ था, बालक को बाहर निकाल सीपीआर भी दिया गया

कोटा, (निसं)। विज्ञान नगर थाना इलाके में खेलते-खेलते एक दस वर्षीय बालक खाली पड़े प्लॉट में भरे पानी में डूब गया और पानी में डूबने से बालक की मौत हो गई। घटना से पहले बालक अपनी चचेरी बहन के साथ खेलते-खेलते प्लॉट की टूटी हुई दीवार के पास पहुंचा और प्लॉट में भरे पानी में गिर गया।

वहीं सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और मौके पर नगर निगम की गौताखोर टीम को बुलाया गया। सूचना पाकर नगर निगम की गोताखोर टीम मौके पर पहुंची और बालक को बाहर निकालकर उपचार के लिये कोटा के निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां बालक की मौत हो गई। नगर निगम गौताखोर विष्णु श्रृंगी ने बताया कि कंट्रोल रूम से डकनिया स्टेशन रोड़ पर एक खाली पड़े भूंखड में भरे पानी में बालक के डूबने की सूचना मिली थी। सूचना पाकर टीम लेकर मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि प्लॉट में करीब 20 फीट की गहराई तक पानी भरा हुआ था, बालक को बाहर निकाल कर मौके पर सीपीआर भी दिया गया और उपचार के लिये अस्पताल रवाना करा दिया।

- बालक अपनी चचेरी बहन के साथ खेलते-खेलते प्लॉट की टूटी हुई दीवार के पास पहुंचा और प्लॉट में भरे पानी में गिर गया

विज्ञान नगर थानाधिकारी मुकेश मीणा ने बताया कि इन्द्रा कॉलोनी निवासी तामिल हुसैन (10) अपनी चचेरी बहन के साथ खेल रहा था और खेलते-खेलते डकनिया रोड़ पर एक खाली पड़े प्लॉट के पास पहुंचा जिसकी बाउंड्रीवॉल टूटी हुई थी। दोनों भाई-बहन दीवार के पास खड़े थे। इसी दौरान तामिल खाली पड़े प्लॉट में भरे पानी में गिर गया और पानी में गहराई होने से बालक डूब गया। बालक को उपचार के लिये अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद बालक को मृत घोषित कर दिया। थानाधिकारी ने बताया कि मृतक बालक के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है मृतक बालक के परिजनों की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

सड़क हादसे में दादा-दादी और पोते की मौत

कोटा, (निसं)। गोपालपुरा माताजी के दर्शन करके बाइक से कोटा आ रहे एक दंपती और उनके पोते की मंडाना थाना क्षेत्र के नेशनल हाईवे-52 पर बाइक अनियंत्रित होकर फिसलने से सड़क हादसे में मौत हो गई। घटना में दंपती ने तो मौके पर ही दम तोड़ दिया। वहीं हादसे में गंभीर घायल पोते की अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई।

मंडाना थानाधिकारी अजय शर्मा ने बताया कि महावीर नगर निवासी ओमप्रकाश (65) अपनी पत्नी बेबी (60) और पोता युग (10) के साथ बाइक से कोटा से गोपालपुरा माताजी के दर्शन करने के लिये गया था और वापस कोटा लौटते समय ब्रेकर से बचने के लिये बाइक को सड़क से नीचे उतारा और वापस हाइवे पर लेते समय बाइक अनियंत्रित होकर फिसल गई। थानाधिकारी ने बताया कि हादसे में तीनों बाइक से गिर गये और सिर में चोट लगने से गंभीर रूप से घायल हो गये। थानाधिकारी ने बताया कि हादसे में घायल तीनों को मण्डाना के सामुदायिक केन्द्र लाया गया जहां डॉक्टर ने जांच के बाद ओमप्रकाश और उसकी पत्नी बेबी को मृत घोषित कर दिया। वहीं हादसे में घायल पोते को उपचार के लिये कोटा के मेडिकल कॉलेज अस्पताल के लिये रैफर किया, जहां उसकी मौत हो गई।

हथियार सहित एक गिरफ्तार

उदयपुर, (निसं)। गोवर्धन विलास थाना पुलिस ने आमजन को हथियार दिखाकर धमकाने के मामले में बदमाश को गिरफ्तार किया है। गोवर्धन विलास थानाधिकारी दिलिपसिंह झाला के नेतृत्व में गठित दल ने मुखबिर से ट्रांसपोट नगर में आमजन को धमकाने की सूचना मिली। इस पर पुलिस दल ने मौके पर पहुंचकर आरोपी गोविन्द मीणा पुत्र कालुलाल मीणा निवासी कृष्णा कॉलोनी लालमगरी सविना को अवैध हथियार छूरी सहित गिरफ्तार किया।

नगर निगम का स्वास्थ्य निरीक्षक व जमादार रिश्वत लेते गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की स्पेशल यूनिट ने नगर निगम के स्वास्थ्य प्रभारी (निरीक्षक) एवं रिश्वत देने के लिए परिवादी को प्रेरित करने वाले जमादार को पीड़ित से आठ हजार रूपये रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक पुलिस डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि एसीबी की स्पेशल

- पीड़ित से 20 हजार की रिश्वत मांगी, आठ हजार रूपये लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया

यूनिट उदयपुर को एक अप्रेल को एक शिकायत मिली, जिसमें परिवादी नगर निगम उदयपुर में सफाईकर्मी है और वर्ष 2024 में जून महिने में परिवादी का एक्सीडेंट हो जाने से हाथ में चोट लग जाने से फावड़े से नाली सफाई का काम करने में परेशानी होने से सहुलियत वाले काम के लिए जमादार से गुजारिश की थी। इस पर जमादार अनिल ने परिवादी को स्वास्थ्य प्रभारी कमलेश से मिलवाया तो परिवादी को दो महिने तक फावड़े से नाली सफाई के काम पर नहीं लगाकर परिवादी को निगरानी के लिए काम पर लगाकर सहूलियत दी गई, जिसके एवज में आरोपी कमलेश

एसीबी ने रिश्वत लेने के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया।

ने परिवादी से प्रत्येक माह के 10 हजार रूपये के हिसाब से दो माह के 20 हजार रूपये की मांग कर परेशान कर रहा था, जिस पर एसीबी रेंज उदयपुर के उप महानिरीक्षक पुलिस राजेन्द्र प्रसाद गोयल के सुपरविजन में एसीबी स्पेशल यूनिट उदयपुर के प्रभारी अधिकारी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजीव जोशी के नेतृत्व में पुलिस निरीक्षण लक्ष्मण लाल डांगी मय टीम ने ट्रेप कार्रवाई करते हुए आरोपी कमलेश चनाल हॉल स्वास्थ्य प्रभारी सेक्टर नौ कार्यालय स्वास्थ्य निरीक्षक सेक्टर 11 गोवर्धन विलास नगर निगम को परिवादी से आठ हजार रूपये रिश्वत लेते रंगे हाथों एवं परिवादी को रिश्वत देने के लिए दुष्प्रेरित करने वाले आरोपी जमादार वार्ड नं. 17 नगर निगम उदयपुर अनिल को गिरफ्तार किया। एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस स्मिता श्रीवास्तव के सुपरविजन में आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

जमीन की धोखे से रजिस्ट्री कराई

उदयपुर, (निसं)। शहर के प्रतापनगर थाना पुलिस ने आरोपी व साथियों के खिलाफ पीड़ित से उसकी जमीन की धोखे से रजिस्ट्री करवाने का प्रकरण दर्ज किया। वहीं अन्य मामले में जमीन बेचने का झांसा देकर नकदी हड़पने का प्रकरण दर्ज किया।

पीड़ित बसंत कुंवर पत्नी किशनसिंह राठौड़ निवासी बेडवास ने प्रतापसिंह सांखला पुत्र भेरूसिंह निवासी बेडवास तथा साथियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। उसने बताया कि 4 से 27 फरवरी के बीच आरोपी मुझे बहला फुसला कर अपने साथ ले गया। जहां मेरी जमीन के पन्द्रह लाख रूपये में बेचने का इकरार करवा रजिस्ट्री अपने नाम करवा ली। इसका पता चलने पर एतजराज किया तो आरोपी ने कोई संतोषप्रद जवाब नहीं देकर टालमटोल करना शुरू कर दिया। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की। इसी तरह अन्य मामले में प्रतापनगर थाना पुलिस ने पीड़ित बसंत बिहार हिरणमगरी सेक्टर 5 की रिपोर्ट पर आरोपी उदयलाल पुत्र लोगर गमेती निवासी लसड़िया खेड़ा प्रतापगर के खिलाफ जमीन बेचने का झांसा देकर 98 हजार रूपये वसूल कर धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज किया।

सीताराम जाट को माध्यमिक शिक्षा निदेशक की जिम्मेदारी सौंपी

बीकानेर, (निसं)। माध्यमिक शिक्षा निदेशक की जिम्मेदारी प्रारम्भिक शिक्षा निदेशक को सौंपी गई है। बताया जा रहा है कि माध्यमिक शिक्षा निदेशक आशीष मोदी के छुट्टी पर होने के कारण प्रारम्भिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

मोदी के अवकाश से लौटने पर फिर से वो ही काम करेंगे। पिछले दो दिन से मोदी काम पर नहीं हैं, ऐसे में गुरुवार शाम को प्रारम्भिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट को उनकी फाइलों पर हस्ताक्षर करने के आदेश उच्चाधिकारियों ने दिए। राज्यभर में

- बताया जा रहा है कि माध्यमिक शिक्षा निदेशक आशीष मोदी के छुट्टी पर होने के कारण जिम्मेदारी सौंपी है

प्रिंसिपल की पदोन्नति के लिए काउंसलिंग शुक्रवार से शुरू हुई। इस काउंसलिंग के स्कूल्स के नाम जारी करने के लिए भी निदेशक आशीष मोदी के पास फाइल थी, जिस पर हस्ताक्षर शाम तक नहीं हुए। बाद में ई-फाइल प्रारम्भिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट को भेजी गई, जहां से हस्ताक्षर के बाद शुक्रवार को काउंसलिंग शुरू हो सकी। शिक्षा निदेशालय में प्रशासनिक अधिकारियों के ट्रांसफर, पोस्टिंग की फाइलों पर भी प्रारम्भिक शिक्षा निदेशक ने ही माध्यमिक शिक्षा निदेशक के रूप में हस्ताक्षर किए हैं। माना जा रहा है कि मोदी के वापस लौटने तक माध्यमिक शिक्षा का जिम्मा सीताराम जाट के पास ही रहेगा और छुट्टी से लौटने के बाद मोदी को वापस दिया जाएगा। बताया जा रहा है कि तबीयत खराब होने के चलते मोदी छुट्टी पर गए हैं।

वन माफिया के स्टॉक से 50 क्विंटल खैर की अवैध लकड़ी बरामद

साईं पीपला गांव की सरकारी भूमि पर खैर की लकड़ी का स्टॉक लगा रखा था

माण्डलगढ़, (निसं)। माण्डलगढ़ वन विभाग की टीम ने वन माफिया पर बड़ी कार्रवाई को अंजाम देकर करीब दो लाख कीमत की अवैध खैर की लकड़ी के स्टॉक को जब्त किया है। बताया जा रहा है कि बूंदी जिले के वन क्षेत्र से वन माफिया ने खैर के बड़े-बड़े पेड़ों को कटवाकर कार्रवाई से बचने के लिए भीलवाड़ा जिले के साईं पिपला गांव की सीमा में स्टॉक लगा रखा था। वन विभाग की टीम ने अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर वन माफिया की तलाश में जुटी है।

मांडलगढ़ के रेंजर मनेंद्रपाल सिंह ने बताया कि डीएफओ गौरव गर्ग, एसीएफ पायल माथुर द्वारा वन माफिया और वन क्षेत्र में अवैध गतिविधि के खिलाफ अभियान चला रखा है। इसी अभियान के तहत वन विभाग की टीम में शामिल श्यामपुरा नाका, फोरेस्टर रंजीत बलाई, भैरूलाल मीणा सहायक

मांडलगढ़ वन विभाग की टीम ने 50 क्विंटल खैर की लकड़ी जब्त की।

वनपाल, रविन्द्र सिंह वनपाल मांडलगढ़, रामगोपाल धाकड़ गेनोली नाका को गश्त के दौरान सूचना मिली कि साईं पीपला गांव के पास सुनसान जगह में लकड़ी का भंडारण किया हुआ है। टीम ने मौक़े पर मंगठला पंचायत के साईं पीपला गांव में पहुंचकर करीब 50 क्विंटल अवैध खैर की लकड़ी के स्टॉक को जब्त किया है। मौक़े पर कोई मौजूद नहीं मिला। इलाके के पटवारी को बुलाकर भूमि सरकारी बिलानाम होने की तस्दीक कराई गई और ग्रामीणों की मौजूदगी में अवैध लकड़ी को जब्त कर 4 ट्रैक्टर-ट्रॉली में भरकर गेनोली नाके पर लाकर रखवाया गया। बताया

- बताया जा रहा है कि निकटवर्ती बूंदी जिले के वन माफिया जंगल से खैर की लकड़ी कटवाकर भीलवाड़ा जिले की सीमा में स्टॉक करते हैं

जा रहा है कि निकटवर्ती बूंदी जिले के वन माफिया जंगल से खैर की लकड़ी कटवाकर भीलवाड़ा जिले की सीमा में स्टॉक करते हैं और यहां से खैर की लकड़ी को तस्करी कर अन्य राज्यों में मोटी कीमत पर बेचा जाता है। मांडलगढ़ वन विभाग रेंजर ने बताया कि वन माफिया की तह तक जाने के लिए टीम द्वारा जानकारी जुटाई जा रही है।